वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2012-13

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

दिल्ली

असतो मा सद्गमय

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

Central Board of Secondary Education

वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report
2012-13

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

Central Board of Secondary Education

विषय सूची

प्राक्कथन	I–XII
सीबीएसई – एक प्रगतिशील राष्ट्रीय बोर्ड	1
बोर्ड की संरचना	6
शैक्षिक सहभागिता	10
सूचना का अधिकार	11
प्रशासनिक परिवर्तन	14
राजभाषा का प्रचार–प्रसार	20
सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा परिणाम 2012	22
सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा परिणाम 2012	24
सीबीएसई काउंसलिंग	36
ग्रेडिंग	41
सीबीएसई छात्र सार्वभौम अभिक्षमता निर्देशिका	44
मेरिट छात्रवृत्ति योजना	49
शैक्षणिक कार्यकलाप	53
समारोह तथा कार्यक्रम	84
सम्बद्धता	89

परिशिष्ट

I.	परिणाम विवरण कक्षा – XII 2012	91
II.	परिणाम विवरण कक्षा – X 2012	99
III.	श्रेणीवार अंकों का वितरण कक्षा – XII	108
IV.	समग्र आंकड़े	118
V.	क्षेत्रवार कक्षा XII तथा X में परीक्षार्थियों की संख्या में संवृद्धि	129
VI.	विषयवार कट–ऑफ अंक तथा उत्कृष्टता प्रमाण पत्र कक्षा–XII, X	132
VII.	एआईपीएमटी परीक्षा आंकड़ों पर एक दृष्टि	137
VIII.	एआईईईई आंकड़ों पर एक दृष्टि	139
IX.	सीसीई एवं एफए प्रशिक्षण कार्यशाला	140
X.	सम्बद्ध विद्यालयों की सूची	153
XI.	सम्बद्ध विद्यालयों में संवृद्धि	155
XII.	बोर्ड के शासी निकास	159
XIII.	राजभाषा कार्यान्वयन समिति	163
XIV.	वित्त समिति	164
XV.	परीक्षा समिति	165
XVI.	सम्बद्धता समिति	166
XVII.	परिणाम समिति	167
XVIII.	एआईपीएमटी सलाहकार समिति	168
XIX.	पाठ्यचर्या समिति	171
XX.	एआईईईई कार्यान्वयन समिति	172
XXI.	31 मार्च 2012 को तुलन–पत्र	173
XXII.	राष्ट्रीय अध्यापक पुरस्कार विजेता	174
XXIII.	सूचना अधिकार अधिनियम, 2005	183
XXIV.	प्रकाशनों की सूची	187
XXV.	बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालयों के अधिकार क्षेत्र	193

Contents

Foreword	1-XII
CBSE - A Pace Setting National Board	1
Structure of the Board	6
Academic Partnership	10
Right to Information Act	11
Administrative Changes	14
Propagation of Official Language	20
Senior School Certificate Examination Results 2012	22
Secondary School Examination Results 2012	24
CBSE Counselling	36
Grading	41
CBSE Students Global Aptitude Index	44
Merit Scholarship Schemes	49
Academic Activities	53
Events and Programmes	84
Affiliation	89

Appendices

I.	Result Details Class XII 2012	91
II.	Result Details Class X 2012	99
III.	Gradewise Distribution of Marks Class XII	108
IV.	Overall Statistics	118
V .	Region Wise Growth in No. of Candidates In Class XII & X	129
VI.	Subject Wise Cut Off Scores and Merit Certificates Class XII & X	132
VII.	AIPMT Examination Statistics at a Glance	137
VIII.	AIEEE Examination Statistics at a Glance	139
IX.	CCE and FA Training Workshops	140
X.	Position of Affiliated Schools	153
XI.	Growth of Affiliated Schools	155
XII.	Governing Body of the Board	159
XIII.	Official Language Implementation Committee	163
XIV.	Finance Committee	164
XV.	Examination Committee	165
XVI.	Affiliation Committee	166
XVII.	Results Committee	167
XVIII.	Advisory Committee AIPMT	168
XIX.	Curriculum Committee	171
XX.	AIEEE Implementation Committee	172
XXI.	Balance Sheet as on 31st March 2012	173
XXII.	National Awards to Teachers	174
XXIII.	Right to Information Act, 2005	183
XXIV.	List of Publications	187
XXV.	Jurisdiction of Regional Offices of the Board	193

प्रस्तावना
FOREWORD

मुझे वर्ष 2012–13 के लिए सीबीएसई की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बड़ी प्रसन्नता हो रही है जो कि अन्य कई वर्षों की तरह ही प्रभावकारी रहा।

इस वर्ष बोर्ड के विस्तार में 59 नये विद्यालयों को शामिल किया गया। सीबीएसई प्रणाली के बारे में स्पष्ट समझ प्रदान करने के लिए नये संबद्ध विद्यालयों के प्रधानाचार्यो के लिए शैक्षणिक वर्ष 2012–13 के दौरान चार समावेशन कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस वर्ष से, सीबीएसई ने मानकीकृत साधनों और आंतरिक (स्व मूल्यांकन) और बाह्य निर्धारण (अभिजात समीक्षा) की प्रक्रिया के माध्यम से विद्यालयों का आकलन करने के लिए विद्यालय गुणवत्ता निर्धारण एवं प्रत्यायन प्रक्रिया भी आरंभ की है। इसका उद्‌देश्य अविरल गुणात्मक वृद्धि को बढ़ावा देना है।

इसी प्रकार, विद्यालयों के उत्तम प्रबंधन के लिए प्रधानाचार्यो के लिए ''शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व'' पर सीबीएसई का 14वां प्रबंधन विकास कार्यक्रम प्रमुख प्रबंधन संस्थानों में आयोजित किया गया।

कक्षा X का पास प्रतिशत 98.19 और कक्षा XII का पास प्रतिशत 80.19 रहा। कक्षा X और XII के वार्षिक परिणाम संतोशजनक रहे। विश्लेषण और अनुप्रयोग जैसे उच्च क्रम चिंतन कौशल को प्रोत्साहित करने के लिए पहली बार समस्या समाधान निर्धारण की शुरूआत की गई थी। शैक्षणिक वर्ष 2012–13 से आरंभ समस्या समाधान निर्धारण कक्षा IX और XI के लिए अनिवार्य परीक्षा है।

26वीं अखिल भारतीय प्री–मेडिकल परीक्षा 2012 का आयोजन दो चरणों में निर्बाध रूप से किया गया। इस वर्ष 2,21,867 उम्मीदवार एआईपीएमटी परीक्षा के लिए

I am pleased to take the opportunity of presenting the annual report of CBSE for the year 2012-2013 which was as eventful as many other previous annums.

Extending the coverage further this year, the board inducted 59 new schools in the system. To impart clear understanding of CBSE system four Induction Programmes for the Principals of newly affiliated schools were conducted during the academic year 2012-13. From this year, CBSE also started the process of school quality Assessment and Accreditation to assess schools through standardized instruments and process of internal (self evaluation) and external assessment (peer review). The purpose is to encourage sustained qualitative enhancement.

Similarly, for the better management of schools CBSE's 14th Management Development Programme on `Leadership in Educational Administration' for Principals was organised at premier management institutes.

The annual result of class X and XII has shown satisfactory trends with 98.19% as the overall pass percentage of Class X and 80.19% as that of Class XII. For the first time Problem Solving Assessment was introduced to inculcate Higher Order Thinking Skills such as analysis and application. Problem Solving Assessment is a compulsory test for students of IX and XI started from academic year 2012- 2013 onwards.

The 26th All India Pre-Medical /Pre-Dental Examination-2012 was conducted smoothly in two phases. A total number of 2,21,867

पंजीकृत हुए। बोर्ड यह परीक्षा वर्ष 2013 से राष्ट्रीय पात्रता एवं प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) के नाम से भारतीय चिकित्सा परिषद एवं भारतीय दंत चिकित्सा परिषद द्वारा अनुमोदित संस्थानों में सभी एमबीबीएस और बीडीएस पाठयक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित करेगा।

बोर्ड द्वारा 11वीं अखिल भारतीय अभियांत्रिकी प्रवेश परीक्षा, 2012 (एआईईईई 2012) का भी आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न संस्थानों में बीई/बीटेक की लगभग 34,803 तथा बी.आर्क/बी प्लानिंग की 1,082 सीटों के लिए 10,70,278 अभ्यर्थी शामिल हुए। भारत सरकार के निर्णय के अनुसार वर्ष 2013 से अखिल भारतीय अभियान्त्रिकी प्रवेश परीक्षा का फार्मेट जेईई (मेन) तथा जेईई (एडवान्स्ड) के रूप में दो चरणों में परिवर्तित हो गया है। सीबीएसई द्वारा संयुक्त प्रवेश परीक्षा (मुख्य) का आयोजन पूरे देश में एनआईटी, आईआईटी, डीटीयू दिल्ली और अन्य सीएफटीआई के लिए किया जाएगा और जेईई (एडवान्स्ड) का आयोजन आईआईटी, बीएचयू तथा आईएसएम धनबाद में प्रवेश के लिए किया जाएगा। आईआईटी और आईएसएम धनबाद द्वारा परास्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों को जेईई (मेन) पेपर–। उत्तीर्ण करना होगा और जेईई (एडवान्स्ड) का आयोजन संबंधित आईआईटी/आईएसएम द्वारा किया जाएगा। इस चरण की पात्रता रेंक अनुसार निश्चित की जाएगी।

तीसरी केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा भारत में 82 तथा विदेश में 02 शहरों में 1146 केन्द्रों पर 9,00,815 अभ्यर्थियों के लिए सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

इस वर्ष 'परिवर्तन की लहरें' नामक एक नया कार्यक्रम ''राष्ट्रीय स्कूल स्वच्छता पहल'' के तहत आरंभ किया गया जिसका लक्ष्य स्वयं करके सीखना और एक छात्र की बहु क्षमताओं को प्रोत्साहित करना है। इस कार्यक्रम में प्रथम राष्ट्रीय स्कूल स्वच्छता अवार्ड भी विद्यालयों को प्रदान किए गए।

candidates registered for the AIPMT examination this year. The Board will conduct this exam in the name of National Eligibility cum Entrance Test (NEET) from 2013 for admission to all MBBS and BDS courses in institutions approved by Medical Council of India and Dental Council of India.

The 11th All India Engineering Entrance Examination, 2012 (AIEEE-2012) was also conducted by the board in which 1070278 appeared for approximately 34803 seats of BE/B Tech and 1082 seats of B.Arch/B.Planning in various institutions. As per the decision of the Govt. of India, from the year 2013 onwards, the format of All India Engineering Entrance Examination (AIEEE) has been changed to two tier as JEE (Main) and JEE (Advance). Joint Entrance Examination (Main) will be conducted by CBSE all over the country for NITs, IITs, DTU, Delhi and other CFTI's and JEE (Advance) will be conducted for admission to IITs, IIT BHU and ISM, Dhanbad. The candidates aspiring for admission in the undergraduate programmes offered by the IITs, and ISM Dhanbad shall also have to pass the JEE (Main) Paper I and secure the rank as per stipulation for being eligible to take JEE (Advanced) which will be conducted by concerned IITs/ISM.

The 3rd Central Teacher Eligibility Test that was conducted successfully at 1,146centers located in 82 cities in India and 02 cities outside the country for 9,00,815 candidates.

This year, a new programme called `Waves of Change' was launched under the 'National School Sanitation initiative', which aims at learning by doing and encourages the multiple capabilities of a student. In this order First National School Sanitation Awards were also given to the schools.

बोर्ड ने स्वामी विवेकानन्द की 150वीं जयन्ती 'विवेकानन्द स्कूल ऑफ एक्सीलेन्स' 2013 नामक पुरस्कारों की एक नई श्रेणी की शुरूआत करके एक विशिष्ट तरीके से मनाई।

बोर्ड ने पिछले वर्ष अपने प्रमुख प्रचलित कार्यक्रमों के विभिन्न पहलूओं में सुधार किया और साथ ही साथ कुछ नए कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (सीसीई) को सम्पन्न करने, इसकी क्षमता बढ़ाने, सीसीई के बारे में सामर्थ्य निर्माण और रचनात्मक निर्धारण (एफए) से संबंधित कार्यक्रम भिन्न–भिन्न स्थलों पर 2012–13 के दौरान आयोजित किए गए जिन के द्वारा लगभग 22,197 प्रधानाचार्यों तथा अध्यापकों को प्रशिक्षित किया गया। मास्टर प्रशिक्षक कार्यशालाओं में 76 मास्टर प्रशिक्षकों ने नए सीसीई की गतिकी में प्रशिक्षण प्राप्त किया। सीसीई योजना का उचित कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए देश के भिन्न–भिन्न भागों में अनुवीक्षण कार्यशालाओं में कुल 578 प्रधानाचार्यों को मेंटर के रूप में प्रशिक्षित किया गया।

बोर्ड पिछले वर्ष विभिन्न शैक्षणिक सुधारों में व्यस्त रहा है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए बोर्ड ने अभिव्यक्ति, शैली तथा सामग्री में विविधता तथा विवृतांत दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए कक्षा IX और X में सभी प्रमुख विषयों में ब्लू प्रिंटों, नमूना प्रश्न पत्रों तथा अंकन योजनाओं को बंद कर दिया है। एसए–।। को प्रोत्साहन देने के लिए नमूना प्रश्न पत्रों के स्थान पर नमूना प्रश्नों का प्रश्न बैंक तैयार किया गया तथा एकीकृत परीक्षण प्रबंधन प्रणाली (आईटीएमएस) के माध्यम से ऑनलाइन प्रश्न पत्र उपलब्ध कराया गया। 'ऑनलाइन जनरेशन' की प्रणाली के तहत विद्यालयों को उचित समय पर प्रश्न पत्र डाउनलोड करके स्वयं परीक्षा प्रश्न पत्र बनाने तथा प्रश्न पत्रों के वितरण की अनुमति दी गई ।

सीबीएसई–आई का विस्तार कक्षा III, VII और XI तक किया गया ।आवेदक विद्यालयों का उचित निरीक्षण और प्रक्रिया के बाद भारतीय विद्यालयों में भी शुरूआत की जाएगी।

Board celebrated 150th Birth Anniversary of Swami Vivekananda in a distinct way by initiating a new category of awards named as 'Vivekananda School of Excellence' 2013.

Past year has seen the Board improving and enriching various aspects of its vital ongoing programmes and introducing some new at the same time. To effectuate Continuous and Comprehensive Evaluation (CCE) implementation and enhance its efficacy, Capacity Building Programmes on CCE and Formative Assessment (FA) were held during 2012-13 at different venues, approximately 22197 principals and teachers have been trained. At the Master Trainers' Workshops 76 Master Trainers received training in the dynamics of CCE. A total of 578 volunteer Principals were trained as Mentors in Monitoring workshops, in different parts of country to ensure proper implementation of CCE scheme.

The Board has been engaged in various academic reforms in the previous years. Moving further in this direction Board has discontinued the Blue Prints, Sample Question Papers and Marking Schemes in all major subjects in classes IX and X to promote open ended approach and diversity in expression, style and content. Question Bank of sample questions was prepared in place of Sample Question Papers for furtherance of SA-II and online question paper was provided via Integrated Test Management System (ITMS). The system of online generation and delivery of question papers has allowed the schools to themselves generate an exam question paper by downloading it at the appropriate time.

The CBSE-i was extended to classes III, VII and XI and will commence in Indian schools after well designed inspection and processing of applicant schools.

भारत में स्कूली शिक्षा को पुनःव्यवस्थित करने के लिए पियरसन फाउंडेशन, के साथ पब्लिक प्राइवेट साझेदारी अंतर्गत के आंर्गत सीबीएसई द्वारा सेन्टर फार एसेसमेंट, इवैल्यूएशन एंड रिसर्च (सीएईआर) की शुरूआत की गई। इस प्रयास का लक्ष्य भारत में अधिगम की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए शैक्षिक निर्धारण, अनुसंधान और व्यावसायिक विकास में वैश्विक श्रेष्ठता का एक केन्द्र स्थापित करना है।

राष्ट्रीय व्यावसायिक शैक्षिक योग्यता (एनवीईक्यूएफ) के तहत कुछ विद्यालयों में ऑटोमोबाइल, सुरक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी तथा खुदरा जैसे विषयों में नये व्यावसायिक कोर्स आंरभ किए गए ।

बोर्ड का एक अन्य उल्लेखनीय कार्य माध्यमिक तथा वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर वाक् एवं श्रवण कौशल (एएसएल) के परीक्षण निर्धारण का विकास था।

प्रत्येक कक्षा के पाठ्यक्रम के साथ मूल्य शिक्षा को समाकलित करने और विशिष्ट कार्यकलाप उपयुक्त स्तर पर शामिल करने के उद्देश्य के साथ विद्यालयों के लिए 'मूल्य शिक्षा किट' तैयार की गई। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए मूल्य शिक्षा में प्रधानाचार्यो को समाविष्ट करते हुए मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए अभिमुखी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

सत्र 2014–15 से कार्यान्वयन हेतु वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के लिए शारीरिक शिक्षा पाठ्यचर्या का परिशोधन किया गया। सीबीएसई अंतर विद्यालय खेल–कूद प्रतियोगिता 2012–13 का आयोजन 20 अनुशासनों में पूरे देश में 160 स्थानों पर किया गया। प्रतियोगिताओं के लिए तीन नये अनुशासन शामिल किए गए जैसे – ऐरोबिक्स, रोप स्कीपिंग तथा योग। बोर्ड ने चेन्नई में आयोजित सीबीएसई राष्ट्रीय एथलेटिक प्रतियोगिता 2012–13 के दौरान ''नेशनल एंटी डोपिंग एजेन्सी (एनएडीए)'' के सहयोग से अपनी खेल–कूद प्रतियोगिताओं में विद्यालय स्तर पर अपने प्रकार के प्रथम ''डोपिंग टेस्ट'' की शुरूआत की।

The Centre for Assessment, Evaluation and Research (CAER) was launched by CBSE in collaboration with Pearson Foundation, a Public Private partnership designed to help reshape school education in India.This venture aims to establish a Centre of global excellence in educational assessment, research and professional development, leading to an improvement in the quality of learning in India.

New vocational courses under National Vocational Educational Qualification Framework (NVEQF) in the subjects namely Automobile, Security, Information Technology and Retailing have been introduced in few schools.

Another activity of the board worth mentioning was development of Assessment of Speaking and Listening Skills (ASL), a formal testing of speaking and listening skills at Secondary and Senior Secondary levels.

With the objective to integrate Values Education with the syllabus of each class and include specific activities at an age appropriate level `Values Education Kit' for schools was prepared. To implement this programme successfully orientation workshops to train Master Trainers in Values Education consisting of Principals were conducted.

Physical Education Curriculum for Senior Secondary Level has been revised for implementation from the session 2014-15.CBSE Inter School Sports & Games competitions 2012-2013 were organized in 20 disciplines at nearly 160 venues spread all over India. Three new disciplines were added for the competitions, namely – Aerobics, Rope Skipping and Yoga. First of its kind at school level, Board introduced “Doping Test” in its sports events in association with the “National Anti Doping Agency (NADA)” during its CBSE National Athletic Meet 2012 - 13 held at Chennai.

अपने छात्रों को मनोवैज्ञानिक सहायता और सेवाएं देने का गर्व सीबीएसई को प्राप्त है। छात्रों की आवश्यकता को समझते हुए परीक्षार्थियों के विभिन्न सवालों, दुविधाओं और मनोवैज्ञानिक समस्याओं का समाधान करने के लिए सीबीएसई हेल्पलाइन निरन्तर पिछले 16 वर्षो से कार्यरत है। इस वर्ष छात्रों के साथ बाधा मुक्त संपर्क सुनिश्चित करने के लिए एक टोल फ्री नम्बर के साथ इन–हाउस केन्द्रीकृत अभिगम प्रणाली के माध्यम से हेल्पलाइन की शुरूआत की गई थी जिसमें न केवल उनके सामान्य सवालों का जवाब दिया गया था बल्कि उनकी मनोवैज्ञानिक समस्याओं का समाधान प्रशिक्षित परामर्शदाताओं, मनोवैज्ञानिकों तथा समाज शास्त्रीयों द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त, देश के प्रमुख राष्ट्रीय दैनिकों में प्रश्न–उत्तर स्तम्भ को प्रकाशित किया गया। परीक्षा तनाव से निपटने के लिए शिक्षाप्रद साहित्य भी बोर्ड की वेबसाइट के माध्यम से उपलब्ध कराया गया। टेली काउंसलरों के लिए वार्षिक कार्यशाला में एक नये अद्यतन मैनुअल का विमोचन किया गया।

पाठ्यक्रम चयन में छात्रों को होने वाली असुविधा से बचाने के लिए और उनकी सहज क्षमताओं और अन्तर्निहित संभावनाओं को मापने के लिए बोर्ड ने पथ प्रदर्शक का काम किया है और अभिरूचि के आकलन के लिए एक मनोवैज्ञानिक साधन आरंभ किया है जिसे छात्र सार्वभौम अभिरूचि दर्शिका (एसजीआई) कहा जाता है। सीबीएसई द्वारा छात्र सार्वभौम अभिरूचि दर्शिका के तीसरे संस्करण का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया जिसमें भारत और विदेश के 1063 विद्यालयों के हजारों छात्रों ने भाग लिया। इस वर्ष से एसजीएआई निर्धारण रिपोर्ट का एक नया प्रारूप आरंभ किया गया जो अधिक विस्तृत तथा व्यापक है। निर्धारण के भिन्न–भिन्न घटकों के संवर्ग्रो पर निर्मित नया प्रारूप छात्र की स्थिति की एक स्पष्ट प्रस्तुति प्रदान करता है। एक प्रतिपुष्टि रिपोर्ट से प्रकट होता है कि एसजीएआई पर आधारित सुझाव कक्षा X के बाद उनके पाठ्यक्रम चयन का निर्णय करने में छात्रों के लिए काफी उपयोगी था।

CBSE takes pride in rendering psychological support and services to its students. Comprehending the need of students CBSE helpline has continuously evolved since last 16 year to address the various queries, dilemmas and psychological problems of the examinees. This year helpline was launched via in-house centralised access system with a toll free number to ensure hassle free instant with the student, wherein not only their general queries were addressed but their psychological problems were also redressed by trained counsellors, psychologists and social scientists. Besides this, question-answer columns were published in major national dailies of the country. Educative literature on handling Examination Stress was also provided through the Board's website. A new updated manual for tele-counsellor was released during Annual workshop of Counsellors to assist them in practise.

To save students from wandering in terms of course choice and to gauge their innate capabilities and inherent potentials, Board has pioneered and introduced a psychological tool for assessment of aptitude called Students Global Aptitude Index (SGAI). The third edition of CBSE Students Global Aptitude Index was conducted successfully in which approximately thousands students of 1063 schools from India and abroad participated. This year a new format of SGAI assessment report has been introduced which is more detailed and comprehensive. Built on the categorisation of different components of assessment, new format provides a clear presentation of a student's orientation. A feedback study revealed that suggestion based on SGAI assessment were quite useful for students in deciding their course selection after X class.

इस वर्ष में बोर्ड ने अनेक शिक्षा संबंधी संगत अभियानों तथा प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया । इनमें से कुछ – जोनल तथा राष्ट्रीय सूचना विज्ञान ओलम्पियाड (जैडआईओ), ग्रुप मैथमेटिक्स ओलंपियाड, अंतर्राष्ट्रीय जीवन कौशल, स्कूल स्वास्थ्य तथा कल्याण सम्मेलन 2012, हेरिटेज इंडिया क्विज 2012, क्षेत्रीय स्तर तथा राष्ट्रीय स्तर विज्ञान प्रदर्शनी और हेरिटेज पोर्टल की शुरूआत है।

आधुनिक प्रौद्योगिकी के संसार में आधुनिकता के साथ चलने के लिए बोर्ड ने अपने कार्य संचालन में कार्यकुशलता, पारदर्शिता और गुणवत्ता को आगे बढ़ाने के लिए अनेक कदम उठाएं हैं। बोर्ड की सामग्री प्राप्ति में सुधार और इसकी संयोजकता बढ़ाने के लिए इसके क्षेत्र के तहत प्रकाशन, स्वास्थ्य तथा कुशलता, प्रशिक्षिता, नवाचार एवं अनुसंधान, सीटीईटी, अनुवीक्षण तथा प्रत्यायन इत्यादि से संबंधित अनेक माइक्रोसाइटों के साथ शैक्षणिक की एक नई वेबसाइट की शुरूआत की गई। दूसरी ओर, कुछ महत्वपूर्ण माइक्रोसाइटों को भी बोर्ड की मुख्य वेबसाइट के साथ जोड़ा गया है जैसे– एसजीएआई, मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग, आरटीआई, जन शिकायत निवारण ताकि पूरे वर्ष छात्रों और जन सामान्य को बेहतर सेवा देना सुनिश्चित किया जा सके। जैसा कि पूर्व में उल्लेख किया गया है, एक प्रश्न बैंक पर आधारित सम्मेटिव एसेसमेंट (एसए)। तथा सम्मेटिव एसेसमेंट (एस ए)।। प्रश्न पत्रों की ऑनलाइन उत्पत्ति के लिए पहली बार एक एकीकृत परीक्षण प्रबंधन प्रणाली (आईटीएमएस) सृजित की गई थी। कई अन्य आईटी आधारित अनुप्रयोगों जैसे एंटी प्लेगियरिज्म सिस्टम, आनॅलाइन भर्ती प्रणाली, शैक्षणिक यूनिट के लिए एक नई एलएएन प्रणाली, सीबीएसई–आई का सृजन, एकीकृत सीसीई डेटा संग्रहण प्रणाली, ओडियो तथा विडियो कान्फ्रेसिंग सिस्टम तथा 'यू ट्यूब' पर सीबीएसई चैनल की शुरूआत रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान की गई। द्विवार्षिक सीबीएसई न्यूजलेटर–'सीबीएसई फोकस' के प्रारंभिक संस्करण का विमोचन किया गया जो सीबीएसई

In this very year Board also organized several educationally relevant campaigns and competitions. A few deserve special mention like, Zonal and National Informatics Olympiad (ZIO), Group Mathematics Olympiad, International Life Skills, School Health and Wellbeing Summit 2012, Heritage India Quiz 2012, Regional Level and National Level Science Exhibition and Launch of the Heritage Portal.

Keeping pace with the advancement in the world of modern technology board also took several measures to adopt some useful techniques to facilitate efficiency, transparency and quality in its functioning. To improve access of Board's contents and enhance its connectivity a new academic website has been launched along with a number of micro-sites related to Publications, Health and Wellness, Training, Innovation and Research, CTET, Mentoring and Accreditation etc. under its domain. On the other hand few important micro-sites were also linked to Board's main website like SGAI, Psychological Counselling, RTI, Public Grievance Redressal so as to ensure better service to students and general public via updates throughout the year. As mentioned earlier, an Integrated Test Management System (ITMS) was created for the first time for online generation of Summative Assessment (SA) I and Summative Assessment (SA) II question papers, based on a question bank. Many other IT based applications like Anti plagiarism system, online recruitment system, a new LAN system for Academic Unit, Creation of CBSE- i, integrated CCE Data Collection System, CBSE-i, audio and video conferencing system, and CBSE Channel on You Tube were initiated during the period under report. The inaugural issue of the 'CBSE focus' – the bi-annual CBSE Newsletter

कार्यक्रमों तथा कार्यकलापों की जानकारी शिक्षाविदों, साझेदारों, सहयोगियों तथा अभिभावकों को उपलब्ध कराता है।

बोर्ड में सभी प्रयास तथा उपलब्धियां माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री डा. एम.एम. पल्लम राजू द्वारा प्रदान किए गए नेतृत्व तथा दूरदर्शिता और माननीय मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री डॉ शशि थरूर, मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री श्री जीतेन प्रसाद, सचिव (स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता) राजऋशि भट्टाचार्य और संयुक्त सचिव (स्कूल एवं साक्षरता) मानव संसाधन विकास मंत्रालय श्री अपूर्व चन्द्रा तथा श्री जे. आलम संयुक्त सचिव (विद्यालय) के मार्गदर्शन के बिना प्राप्त नहीं होते। मैं उनके समयोचित तथा सतत सहयोग के लिए आभार प्रकट करता हूं।

मैं शासी निकाय तथा बोर्ड की सभी समितियों के सभी सदस्यों, प्रधानाचार्यो को हार्दिक धन्यवाद देता हूं । मेरी सहयोगी श्रीमती रमा शर्मा, जनसम्पर्क अधिकारी तथा उनकी टीम वार्षिक रिपोर्ट का डिजाइन, संकलन तथा संपादन करने के लिए मेरी विशेष प्रशंसा के हकदार हैं।

मार्च 2013 दिल्ली

विनीत जोशी
अध्यक्ष, सीबीएसई

was released in an attempt to reach out to educationists, academicians, stakeholders, associates and parents through a medium that provides a brief insight into CBSE's programmes and activities.

All these endeavours and achievements of the Board could have not been accomplished without the vision and leadership provided by the Hon'ble Minister for Human Resource Development Dr. M.M. Pallam Raju and guidance of Hon'ble MoS Sh. Shashi Tharoor, MoS Sh. Jiten Prasad, Secretary (SE & L) Sh. Rajrishi Bhattacharya and Sh. Apurva Chandra Joint Secretary (School and Literacy) MHRD, and Sh. J. Alam Joint Secretary (schools).I am indeed grateful to all of them for their timely and continuous support.

I would also like to extend my heartfelt thanks to all the members of the Governing Body and different Committees of the Board, Principals, and my colleagues. Smt. Rama Sharma, Public Relations Officer and her team deserve my special appreciation for designing, compiling and editing this Annual Report in its present form.

March 2013, Delhi

Vineet Joshi
Chairman CBSE

CBSE - International
CBSE
KNOW AS YOU GROW

सीबीएसई–एक प्रगतिशील राष्ट्रीय बोर्ड
CBSE - A Pace Setting National Board

बोर्ड का इतिहास

बोर्ड को वर्तमान स्तर पर स्थापित करने के लिए वर्षों तक हुई प्रगति महत्वपूर्ण परिवर्तनों को दर्शाती है। उत्तर प्रदेश बोर्ड ऑफ हाई स्कूल एंड इंटरमीडिएट एजूकेशन पहला बोर्ड था जिसकी स्थापना 1921 में हुई थी। राजपूताना, मध्य भारत तथा ग्वालियर इसके अधिकार क्षेत्र में आते थे और संयुक्त प्रांतों की सरकार द्वारा किए गए अभ्यावेदन के उत्तर में तत्कालीन भारत सरकार ने सभी क्षेत्रों के लिए वर्ष 1929 में एक संयुक्त बोर्ड स्थापित करने का सुझाव दिया जिसका नाम 'बोर्ड ऑफ हाई स्कूल एंड इंटरमीडिएट एजुकेशन राजपूताना'' रखा गया। इसमें अजमेर, मेरवाड़ा, मध्य भारत और ग्वालियर शामिल थे।

बोर्ड ने माध्यमिक शिक्षा स्तर पर तीव्र प्रगति और विस्तार किया जिसके फलस्वरूप इसके संस्थानों में शिक्षा के स्तर एवं स्वरूप में सुधार आया परन्तु राज्यों के विश्वविद्यालयों और देश के विभिन्न भागों में राज्य बोर्ड स्थापित हो जाने से केवल अजमेर, भोपाल और तत्पश्चात् विंध्य प्रदेश ही इसके अधिकार क्षेत्र में रह गए। इसके परिणामस्वरूप वर्ष 1952 में बोर्ड में संगठनात्मक संशोधन किए गए जिससे इसका क्षेत्राधिकार भाग–ग और भाग–घ के क्षेत्रों तक बढ़ा दिया गया और बोर्ड को इसका वर्तमान नाम ''केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड'' दिया गया। अंततः, 1962 में बोर्ड का पुनर्गठन किया गया। इसके प्रमुख उद्देश्य थे–शिक्षा संस्थानों को अधिक प्रभावशाली ढंग से सहयोग प्रदान करना, उन विद्यार्थियों की शैक्षिक आवश्यकताओं के प्रति उत्तरदायी होना जिनके माता–पिता केन्द्रीय सरकार के कर्मचारी थे और निरंतर स्थानान्तरणीय पदों पर कार्यरत थे।

Historical Background

A trail of developments marks the significant changes that took place over the years in shaping up the Board to its present status. U.P. Board of High School and Intermediate Education was the first Board set up in 1921. It had under its jurisdiction Rajputana, Central India and Gwalior. In response to the representation made by the Government of United Provinces, the then Government of India suggested to set up a joint Board in 1929 for all the areas which was named as the 'Board of High School and Intermediate Education, Rajputana. This included Ajmer, Merwara, Central India and Gwalior.

The Board witnessed rapid growth and expansion at the level of Secondary education resulting in improved quality and standard of education in institutions. But with the advent of State Universities and State Boards in various parts of the country the jurisdiction of the Board was confined only to Ajmer, Bhopal and Vindhya Pradesh later. As a result of this, in 1952, the constitution of the Board was amended wherein its jurisdiction was extended to part-C and Part-D territories and the Board was given its present name 'Central Board of Secondary Education'. It was in the year 1962 finally that the Board was reconstituted. The main objectives were those of: serving the educational institutions more effectively, to be responsive to the educational needs of those students whose parents were employed in the Central Government and had frequently transferable jobs.

क्षेत्राधिकार

बोर्ड का अधिकार क्षेत्र व्यापक है और राष्ट्र की भौगोलिक सीमाओं से बाहर भी फैला हुआ है। पुनर्गठन के फलस्वरूप पहले दिल्ली माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का केन्द्रीय बोर्ड में विलय कर दिया गया और इस प्रकार दिल्ली बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त सभी शैक्षिक संस्थाएं भी केन्द्रीय बोर्ड का अंग बन गई। तदनन्तर संघ शासित प्रदेश, चण्डीगढ़, अरुणाचल प्रदेश, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह, सिक्किम और अब झारखंड, उत्तराखंड एवं छत्तीसगढ़ के स्कूल भी बोर्ड द्वारा सम्बद्ध हैं। वर्ष 1962 में मात्र 309 विद्यालयों से अब 31. 3. 2013 तक 13898 विद्यालय बोर्ड से सम्बद्ध है,

इनमें कुल 1011 केंद्रीय विद्यालय, 2004 सरकारी विद्यालय, 10290 निजी विद्यालय, 579 जवाहर नवोदय विद्यालय एवं 14 केंद्रीय तिब्बतन स्कूल सम्मिलित हैं।

विकेन्द्रीकरण

अपने कार्यों को अधिकाधिक प्रभावशाली ढंग से निष्पादित करने के उद्देश्य से बोर्ड द्वारा देश के विभिन्न भागों में क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित किए गए हैं ताकि सम्बद्ध विद्यालयों के साथ अनुकूलता बढ़ सके। अभी तक बोर्ड के आठ क्षेत्रीय कार्यालय इलाहाबाद, अजमेर, चेन्नई, गुवाहटी, पंचकुला, पटना, भुवनेश्वर और दिल्ली में स्थित हैं। देश के बाहर स्थित विद्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय दिल्ली के अंतर्गत आते हैं। सीबीएसई के क्षेत्रीय कार्यालयों का क्षेत्राधिकार परिशिष्ट XXV में दिया गया है। मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालयों के कार्यकलापों पर नज़र रखता है। जबकि क्षेत्रीय कार्यालयों को भी पर्याप्त अधिकार दिए गए हैं। प्रशासन संबंधी दिन प्रतिदिन के मामले, विद्यालयों से संपर्क, परीक्षा पूर्व और परीक्षा उपरांत की व्यवस्था आदि सभी मामलों की देखरेख क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा की जाती है तथापि नीतिगत मामले मुख्यालय को भेजे जाते हैं।

Jurisdiction

The jurisdiction of the Board is extensive and stretches beyond the national geographical boundaries. As a result of the reconstitution, the erstwhile' **Delhi Board of Secondary Education'** was merged with the Central Board and thus all the educational institutions recognized by the Delhi Board also became a part of the Central Board. Subsequently, all the schools located in the Union Territory of Chandigarh. Andaman and Nicobar Island, Arunachal Pradesh, the State of Sikkim, and now Jharkhand, Uttaranchal and Chhattisgarh have also got affiliation with the Board. From 309 schools in 1962 the Board today has 13898 schools on31-3-2013.

There are 1011 Kendriya Vidyalaya, 2004 Government Schools, 10290 Independent Schools, 579 Jawahar Navodaya Vidyalaya and 14 Central Tibetan Schools.

Decentralisation

In order to execute its functions effectively Regional Offices have been set up by the board in different parts of the country to be more responsive to the affiliated schools. At present the board has eight regional offices in Allahabad, Ajmer, Chennai, Guwahati, Panchkula, Patna, Bhubaneswar and Delhi. Schools located outside India are looked after by Regional Office Delhi. The detailed jurisdiction of regional offices of CBSE is mentioned in appendix XXV. The Headquarter constantly monitors the activities of the Regional Offices. Although, sufficient powers have been vested with the Regional Offices, issues involving policy matters are, however, referred to the Head Office. Matters pertaining to day-to-day administration, liaison with schools, pre and post examination arrangements are all dealt with by the respective regional offices.

Regional Office
CBSE Guwahati
MMTC
CBSE
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION
Bharat Petroleum Corporation Limited
THE NEW INDIA ASSURANCE CO. LTD.

BHAVYA'S
AMBIKA COMPLEX
सिंडिकेटबैंक
SyndicateBank
C.B.S.E.
सी.बी.एस.ई.
विस्तार पटल
CBSE
Extention Counter

प्रमुख कार्यकलाप एवं उद्देश्य

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की स्थापना कतिपय परस्पर संबंधित उद्देश्यों की पूर्ति के लिए की गई थी।

- कक्षा 10वीं और 12वीं के अंत में सार्वजनिक परीक्षाएं आयोजित करने एवं परीक्षाओं से संबंधित शर्तें निर्धारित करने हेतु।
- सम्बद्ध विद्यालयों के सफल विद्यार्थियों को अर्हता प्रमाण–पत्र प्रदान करते के लिए।
- उन विद्यार्थियों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जिनके माता–पिता स्थानांतरणीय पदों पर कार्यरत हों।
- परीक्षाओं के लिए अनुदेश पाठ्यक्रमों का निर्धारण करने तथा इन पाठ्यक्रमों को अद्यतन बनाने के लिए।
- परीक्षा प्रयोजन हेतु विधालयों को सम्बद्धता प्रदान करने के लिए तथा देश के शैक्षिक प्रतिमानों को ऊंचा उठाने के लिए।

बोर्ड के कार्यकलापों का मुख्य केंद्र

- विद्यार्थी हित एवं विद्यार्थी केंद्रित प्रतिमान स्थापित करते हुए अध्यापन अधिगम प्रणालियों का नवीनीकरण करना।
- परीक्षाओं व मूल्यांकन पद्धतियों में सुधार करना।
- कार्योन्मुख एवं कार्यों से संबंधित आगतों द्वारा कौशल अधिगम प्रदान करना।
- सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं कार्यशालाओं इत्यादि के आयोजन द्वारा अध्यापकों एवं प्रशासकों को नियमित रूप से अद्यतन शैक्षिक कौशल प्रदान करना।

Major Activities and Objectives

The Central Board of Secondary Education was set up to achieve certain interlinked objectives:

- To prescribe conditions of examinations and conduct public examination at the end of Class X and XII.
- To grant qualifying certificates to successful candidates of the affiliated schools.
- To fulfill the educational requirements of those students whose parents were employed in transferable jobs.
- To prescribe and update the courses of instructions of examinations.
- To affiliate institutions for the purpose of examination and raise the academic standards of the country.

The Prime focus of the Board is on

- Innovations in teaching - learning methodologies by devising student friendly and student centered paradigms.
- Reforms in examinations and evaluation practices.
- Skill learning by adding job-oriented and job-linked inputs.
- Regularly updating the pedagogical skills of the teachers and administrators by conducting in service training programmes, workshops etc.

बोर्ड की संरचना
Structure of the Board

बोर्ड के अध्यक्ष मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं तथा इनको सहयोग देने के लिए आठ विभागाध्यक्ष हैं सचिव, निदेशक, परीक्षा नियंत्रक, प्रोफेसर एवं निदेशक (शैक्षणिक, अनुसंधान, प्रशिक्षण और नवाचार), निदेशक (आईटी), निदेशक (आईटी), क्षेत्रीय निदेशक तथा कार्यपालक निदेशक हैं। सचिव (स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार बोर्ड के नियंत्रक प्राधिकारी हैं और वे अध्यक्ष तथा अन्य विभागाध्यक्षों की नियुक्ति करते हैं।

The Chairman is the Chief Executive of the Board and is assisted by eight Heads of Departments These are Secretary, Controller of Examinations, Director (Miscellaneous Exams.), Director (Edusat),Professor & Director (Academic, Research, Training and Innovation), Director (IT), Regional Director and Executive Director. The Secretary (School Education and Literacy), Ministry of Human Resource Development, Government of India is the Controlling Authority of the Board and appoints the Chairman and other Heads of Departments.

सचिव, सीबीएसई प्रशासन, लेखा परीक्षा तथा लेखा, जन संपर्क, विधि तथा विद्यालयों को संबद्धता प्रदान करने संबंधी मामलों के लिए उत्तरदायी मुख्य प्रशासनिक अधिकारी हैं।

The Secretary, CBSE, is the Chief Administrative Officer and responsible for the matters relating to Administration, Audit and Accounts, Public Relations, Legal and grant of affiliation to schools.

परीक्षा नियंत्रक परीक्षा से संबंधित सभी मामलों तथा परीक्षाओं के प्रशासन, मुख्य रूप से परीक्षा के पूर्व व पश्च कार्य, वार्षिक माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक प्रमाण पत्र परीक्षा आयोजित करने के लिए क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ समन्वय स्थापित करने के लिए उत्तरदायी हैं।

The Controller of Examinations is responsible for all matters concerning examinations and administration of examinations, the major areas being pre and post examination work, co-ordination with Regional Offices for conducting annual and compartmental Secondary and Senior School Certificate Examinations.

प्रोफेसर एवं निदेशक (शैक्षणिक, अनुसंधान, प्रशिक्षण और नवाचार) माध्यमिक एवं वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर सभी विषयों के लिए पाठ्यचर्या विकसित करने, सभी शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन करने, स्टाफ के प्रशिक्षण आवश्यकताओं का आकलन करने, शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार एवं नई कोर्स सामग्री का विकास करने, माध्यमिक तथा वरिष्ठ माध्यमिक कक्षाओं के लिए पाठ्य पुस्तकें प्रकाशित करने और शैक्षणिक परियोजनाओं का अनुवीक्षण करने संबंधी सभी मामलों के लिए उत्तरदायी हैं।

The Professor and Director (Academic, Research, Training and Innovation) is responsible for all matters concerning developing the curriculum for all the subjects at the Secondary and Senior Secondary levels, to organize teacher's training workshops, assessing training needs of the staff, development of new courses content and innovation in the field of education, to publish text books for Secondary and Senior Secondary classes and monitoring the academic projects.

निदेशक (सीटीईटी एवं विविध परीक्षाएं) केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटीईटी), जवाहर नवोदय विद्यालय परीक्षा तथा परीक्षाओं का प्रशासन से संबंधित सभी मामलों के लिए उत्तरदायी है।

The Director (CTET and Misc. Exams.) is responsible for all matters concerning conduct of Central Teachers Eligibility Test (CTET) and Jawahar Novodaya Vidyalaya Test, administration of tests.

निदेशक (एडुसेट, अनुसंधान विकास तथा व्यवसायिक शिक्षा) भारतीय अनुंसधान संगठन (आईएसआरओ) द्वारा प्रक्षेपित शिक्षा उपग्रह के माध्यम से दूरस्थ शिक्षा और व्यवसायिक विषयों के लिए पाठ्यचर्या डिजाइन करने संबंधी मामलों के लिए उत्तरदायी हैं।

कार्यपालक निदेशक संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन करने और इसकी पूर्व और उत्तर परीक्षा के प्रशासन संबंधी सभी मामलों के लिए उत्तरदायी हैं।

निदेशक (आईटी) सभी क्षेत्रों की कक्षा IX और XI पूर्व परीक्षा और उत्तर परीक्षा कार्यकलापों के ऑनलाइन पंजीकरण, दिल्ली क्षेत्र, जेईई, सीटीईटी तथा प्रवीणता टेस्ट के सभी कंप्यूटर संबंधी कार्यकलापों, एसजीएआई, प्रकाशन प्रबंधन प्रणाली, छात्रवृत्ति, भर्ती वेबसाइट, अद्यतन एवं अनुरक्षण, और सभी नये आईटी कार्यों और परियोजनाओं के लिए उत्तरदायी हैं।

क्षेत्रीय निदेशक मुख्य एवं पूरक माध्यमिक तथा वरिष्ठ माध्यमिक प्रमाण पत्र परीक्षाओं के आयोजन तथा परीक्षाओं के प्रशासन, पूर्व तथा उत्तर परीक्षा कार्य, इनके परिणामों की घोषणा संबंधी सभी मामलों के लिए उत्तरदायी हैं।

संगठनात्मक संरचना

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड संगठनात्मक ढांचा परिशिष्ट–'क' में दिया गया है।

बोर्ड में दिनांक 31.03.2013 को समूहवार स्वीकृत पदों की संख्या निम्नलिखित है।

The Director (Edusat, Research Development and Vocational Education) is responsible for all matters concerning Distance Education through Education Satellite launched by Indian Space Research Organisation (I.S.R.O.) and designing of curriculum for vocational subjects.

The Executive Director is responsible for all matters concerning conduct of the Joint Entrance Examination and administration of its pre and post examinations

The Director (IT) is responsible for all matter concerning On-line registration of class IX and XI pre-examination and post examination activities of all regions, all computer related activities of Delhi region, JEE, CTET and Proficiency Test, Online applications pertaining to SGAI, Publication Management System, Scholarship, Recruitment, Website-updation, maintenance, and all new IT ventures and projects.

The Regional Director is responsible for all matters concerning conduct of main and compartment Secondary and Senior Secondary certificate examinations and administration of examinations, the major areas being pre and post examination work, declaration of results and other related activities.

Organogram

The organizational structure of the CBSE is given in Annexure–'A'

The group-wise sanctioned strength of the staff of the Board as on 31.03.2013 is as follows:-

वर्ग / Group	संख्या / Number
क 'A'	179
ख 'B'	169
ख 'C'	1125
कुल / Total	1473

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की संरचना

परिशिष्ट – क

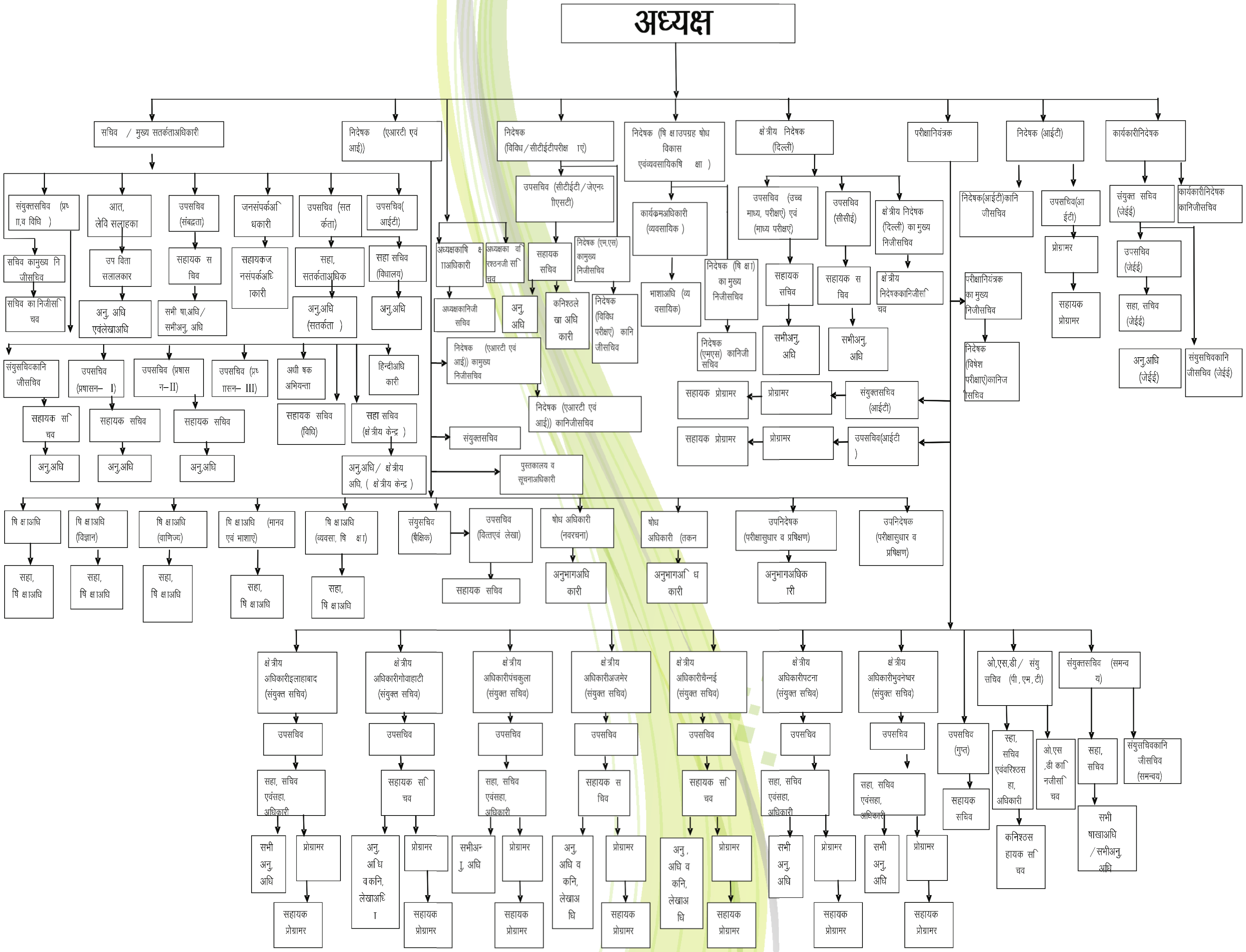

Annexure- A

ORGANISATIONAL STRUCUTRE OF CBSE

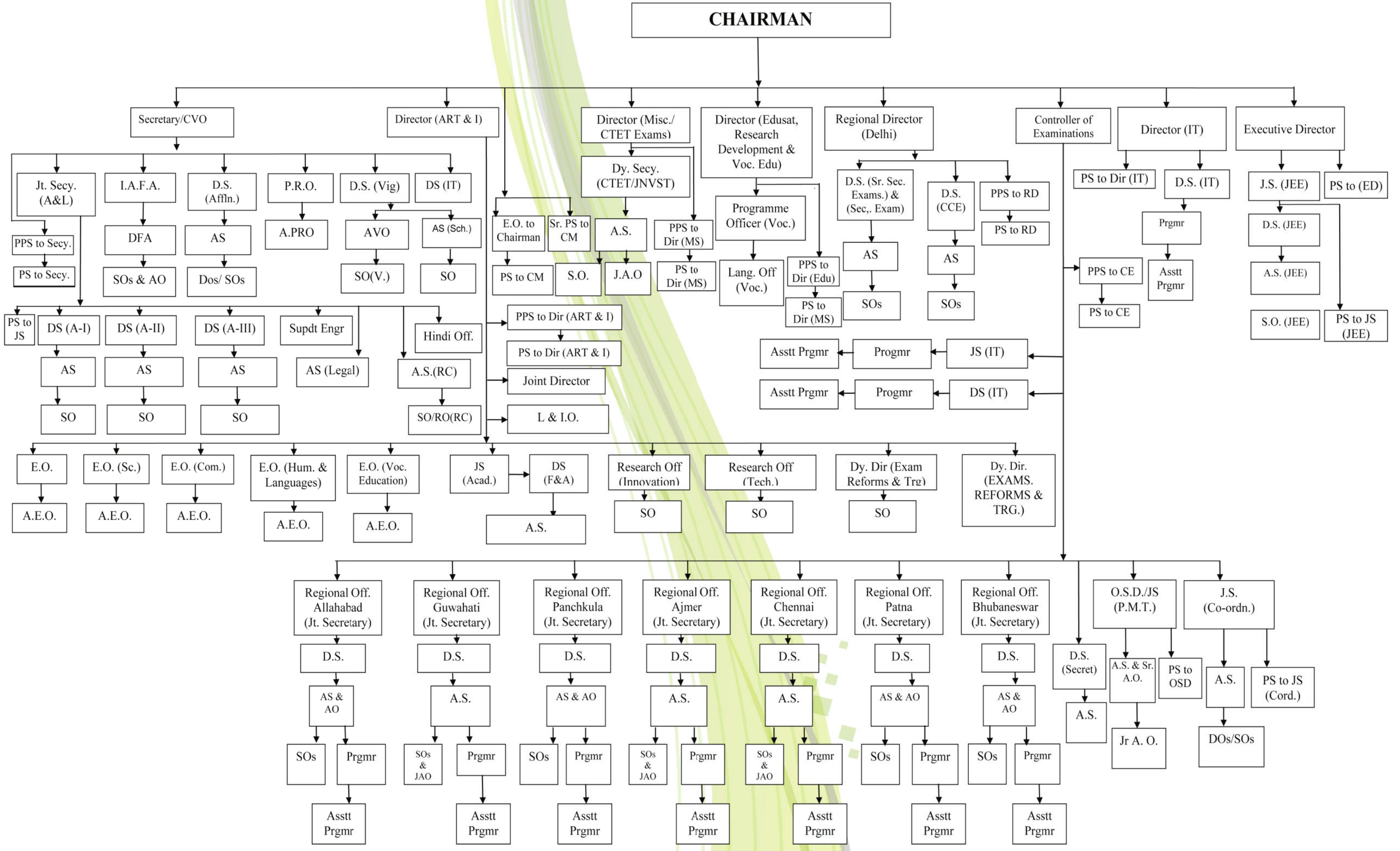

शैक्षिक सहभागिता
Academic Partnerships

राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय उदीयमान आयामों की दृष्टि से बोर्ड शैक्षिक आदान–प्रदान और सहभागिता को बढ़ावा देता है। बोर्ड के अध्यक्ष निम्नलिखित राष्ट्रीय शैक्षिक निकायों के सलाहकार मंडल के सदस्य हैं :

- दिल्ली विश्वविद्यालय
- जामिया मिलिया इस्लामिया
- संयुक्त व्यावसायिक शिक्षा परिषद्
- राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्
- भारतीय विश्वविद्यालय संघ
- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी)
- केंद्रीय विद्यालय संगठन (के.वी.एस.)
- जवाहर नवोदय समिति
- राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा संचालन समिति
- राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस)
- माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परिषद् (सीओबीएसई)
- राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा)
- आंकलन मूल्याकंन एंव अनुसंधान केन्द्र (पियरसन फॉउण्डेशन)

बोर्ड नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका के शिक्षा बोर्डों, यूनेस्को, आईबीई, यूएनएफपीए, एनएसडीसी, पीएमआई ,एनआईईएसबयूडी ,एनआईएफटी ,एनएसई, आईआईएफ, एनसीएचएमटीसी, आईसीएआर, सीआईटी, आस्टेलिया तथा हनबन चाईना जैसी एजेंसियों को भी सहयोग एवं सहभागिता प्रदान करता है।

Academic exchanges and partnerships are encouraged in view of the emerging national and international dimensions. Chairman CBSE is a member on the Advisory Panel of many national educational bodies like:

- University of Delhi
- Jamia Millia Islamia
- Joint Council of Vocational Education
- National Council of Teacher Education
- Association of Indian Universities
- National Council for Educational Research and Training (NCERT)
- Kendriya Vidyalaya Sangathan (KVS)
- Jawahar Navodaya Samiti
- National Steering Committee on Population Education
- National Institute of Open Schooling (NIOS)
- Council of Boards of Secondary Education (COBSE)
- National University of Educational Planning and Administration (NUEPA)
- Centre for Assessment, Evaluation and Research (Pearson Foundation)

CBSE also collaborates with Education Boards of Nepal, Bhutan, Bangladesh, South Africa and agencies like UNESCO, IBE, UNFPA, NSDC, PMI, NIESBUD, NIFT, NSE, IIF, NCHMCT, ICAR, CIT Australia, Hanban China.

सूचना अधिकार अधिनियम
Right to Information Act

सूचना अधिकार अधिनियम की धारा 5(2) के अनुपालन हेतु एवं आज्ञापक उपबंध के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सीबीएसई ने समुचित व्यवस्था की है। इसके अंतर्गत जन संपर्क अधिकारी को मुख्य जन सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) नामित किया गया है। सभी विभागाध्यक्षों को अपीलीय प्राधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को क्षेत्रों की अपीलीय अधिकारी एवं सहायक सचिवों को जन सूचना अधिकारी (पीआईओ) नियुक्त किया गया है। जन संपर्क एकक में जन सूचना काउंटर गठित किया गया है। यह काउंटर सभी कार्यदिवसों में कार्यालय घंटों के दौरान कार्यरत है। इसी प्रकार, जन सूचना अधिकारियों के सीधे निरोक्षगाधीन जन सूचना केंद्र सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में भी गठित किए गए हैं।

सूचना अधिकार अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त किए गए आवेदनों / अपीलों का विवरण निम्नलिखित है :

In compliance with section 5(2) of the Act, effective operationalisation of the mandatory provisions of the RTI Act, have been ensured in CBSE. The public Relations Officer has been appointed as the Chief Public Information Officer(CPIO). All the Heads of the Department have been designated as the Appellate Authority. In addition, all the Regional Officers have been appointed as the Appellate Authorities for the Regions and the Assistant Secretaries have been appointed as Public Information Officers (PIO)in the regions. Public Information Counter has been set up in the Public Relations Unit. This counter functions during office hours on all working days. Public Information Counters have also been set up in the Regional Offices under direct supervision of Public Information Officers.

The details of applications and appeals received during the period under report are:

प्राप्त किए आवेदन / No. of applications received	3928
आवेदनों की उत्तर संख्या / No. of applications replied	3928
प्राप्त प्रथम अपीलें / No. of appeals received	468
अपीलों की उत्तर संख्या / No. of appeals disposed off	468
आरटीआई त्रैमासिक रिपोर्ट / No. of Quarterly Reports	4
आरटीआई मासिक रिपोर्ट / No. of Monthly Reports	12
आरटीआई वार्षिक रिपोर्ट / No. of Annual Report	1

इस अवधि के दौरान तिमाही रिपोर्ट तैयार की गई और केंद्रीय सूचना आयोग को भेजी गई इसके साथ ही प्राप्त हुए केसों को जन सूचना के लिए बोर्ड की वेबसाइट पर डाला गया। तैनात अधिकारियों की सूची सीबीएसई वेबसाइट और **परिशिष्ट–XXIII** में भी दी गई है।

During this period, quarterly reports were compiled and sent to Central Information Commission. Information was also put up on CBSE Website for public information. The list of designated officers has been displayed at CBSE website and also given in **Appendix XXIII**.

लोक शिकायतों का निवारण

लोक शिकायत निवारण प्रकोष्ठ 1993 में गठित किया गया था। यह प्रकोष्ठ विभिन्न स्रोतों से प्राप्त लोक शिकायतों का निरंतर अनुवीक्षण करता है और लोक शिकायतों का समय पर निपटान सुनिश्चित करता है। बोर्ड के मुख्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों में सप्ताह के प्रत्येक बुधवार को पूर्वाह्न **''बैठक रहित दिवस''** के रूप में रखा जाता है जिसमें जनता अपनी समस्याएं, सीधे ही वरिष्ठ अधिकारियों से मिलकर सुलझा सकती है। बोर्ड द्वारा मानव संसाधन तथा लोक शिकायत निदेशालय, मंत्री मंडल सचिवालय को लोक शिकायतों की मासिक और त्रैमासिक रिपोर्ट नियमित रूप से भेजी जाती है। प्रसंगाधीन समय के दौरान प्राप्त हुई शिकायतों का निपटान उचित समय सीमा में शिकायतकर्ता के पक्ष में किया गया।

Redressal of Public Grievances

The cell for the redressal of public grievances was set up in 1993. This cell constantly monitors public grievances received from different sources and ensures timely disposal of public complaints. Every week Wednesday forenoon is observed as **'Meetingless Day'** in the Board's head office and Regional offices when the public can directly approach senior officers regarding grievances, if any. Monthly and quarterly reports on the public grievances are sent to the Ministry of HRD and to the Deptt. of Public Grievances, Cabinet Secretariat by the Board. Complaints received during the period under report and were settled in favor of the complainant within a reasonable time frame.

लोक शिकायत निवारण के लिए ऑनलाइन पॉर्टल

लोक शिकायतों की याचिकाओं और निवारण की ओर ध्यान देना आवश्यक है। प्रशासनिक सुधार व लोक शिकायत निदेशालय ने लोक शिकायतों की सुनवाई के लिए एक ऑनलाइन पॉर्टल की शुरुआत की है। इस पॉर्टल के जरिए जन सामान्य अपनी शिकायतों को ऑनलाइन दर्ज करा सकते है और उन्हें इन शिकायतों का जवाब भी दिया गया।

बोर्ड के जवाब को सीपीग्राम के माध्यम से जनसामान्य द्वारा देखा जा सकेगा। सभी शिकायतों पर प्रभावशाली,

Opening of portal for redressal of online public grievance

The disposal of public petitions or grievances needs to be given the attention it deserves. The Directorate of Administrative Reforms and Public Grievance (DARPG) have opened a portal for redressal of online public grievances, where public can directly file their grievances online and the replies of their grievance are also to be given.

The replies of board can be accessed by CPGRAMS and public, and every care is being taken to handle the grievance in the most

कार्यसाधक और यर्थाथवादी तरीके से उत्तर देने का संभव प्रयास किया जा रहा है। 186 शिकायतें इस दौरान ऑनलाइन प्रणाली में दर्ज हुई।

अनाचार प्रकोष्ठ

लोक शिकायत निवारण के अतिरिक्त बोर्ड का जन संपर्क एकक अनाचार प्रकोष्ठ का भी अनुवीक्षण करता है जिसका गठन मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में किया गया है। इस प्रकोष्ठ का मुख्य उद्देश्य प्राइवेट संगठनों और संस्थाओं की शैक्षिक गतिविधियों पर नज़र रखना है। यह प्रकोष्ठ राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय दैनिक समाचार–पत्रों में छपे, गुमराह करने वाले विज्ञापनों का भी अनुवीक्षण करता है और अन्य जन स्रोतों से प्राप्त शिकायतों को भी तत्परता से जांच करता है। विद्यालयों द्वारा की गई अनियमितताओं के कारण उनकी मान्यता रद्द करने, दर्जे को कम करने की सूचना आम जनता को जागरूक करने के लिए विभिन्न संचार माध्यमों द्वारा की जाती है। रिपोर्ट की अवधि के दौरान 7 मामले प्राप्त हुए।

अब तक निम्नलिखित **बोर्ड जाली** पाए गये हैं।

efficient, effective and realistic manner. As many as 186 complaints were received during the period through online mode.

Malpractice Cell

Besides the public grievance redressal the public relations unit of the board also monitors malpractice cell, which has been set up under the aegis of MHRD, Govt. of India. The main objective of the cell is to keep a vigilant watch on educational activities of private organizations and institutions. The cell monitors misleading advertisements appearing in national, regional dailies and also verifies complaints received from other public sources promptly. Cases of disaffiliation, down gradation of schools because of irregularities committed by the schools are also highlighted through media for generating public awareness. 7 cases was received during the period under report.

So far the following have been identified as **Fake Boards.**

1. केन्द्रीय उच्च शिक्षा बोर्ड, वाचस्पती भवन, उत्तम नगर, नई दिल्ली।
   Central Board of Higher Education, Vachaspati Bhawan, Uttam Nagar, New Delhi.
2. अखिल भारतीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, गाजीपुर।
   All India Board of Secondary Education, Gazipur.
3. केन्द्रीय उच्च शिक्षा बोर्ड, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।
   Central Board of Higher Education, East Patel Nagar, New Delhi.
4. प्रौढ़ शिक्षा एवं प्रशिक्षण बोर्ड, ब्रह्मपुरी, नांगल राय, नई दिल्ली।
   Board of Adult Education and Training, Brahmpuri, Nangal Rai, New Delhi

प्रशासनिक परिवर्तन
Administrative Changes

स्वागत

1. श्री एस. पी. राणा को संयुक्त सचिव के रूप में समावेश पर बोर्ड में शामिल किया गया।
2. श्री महेश मुलानी को प्रतिनियुक्ति पर उप वित्तीय सलाहकार के रूप में बोर्ड में शामिल किया गया ।
3. कुमारी नेहा शर्मा को सीधे भर्ती के माध्यम से उप निदेशक (परीक्षा सुधार एंव प्रशिक्षण) के रूप में नियुक्त किया गया ।
4. श्री गुलशन शर्मा को प्रतिनियुक्ति पर कनिष्ठ लेखा अधिकारी के रूप में बोर्ड में शामिल किया गया ।
5. कुमारी शार्मिला देवी को सीधे भर्ती के माध्यम से प्रबधंक (भाषा) के रूप में नियुक्त किया गया ।
6. डॉ० स्नेहा सिंह को सीधे भर्ती के माध्यम से अनुभाग अधिकारी (एसजीएआई) के रूप में नियुक्त किया गया ।
7. श्री विश्वजीत साहा को प्रतिनियुक्ति पर सहायक सतर्कता अधिकारी के रूप में बोर्ड में शामिल किया गया ।

निम्नलिखित व्यक्तियों को सहायक सचिव के रूप में बोर्ड में सीधी भर्ती के माध्यम से बोर्ड में शामिल किया गया:–

1. श्री थोंगखोलेत माटे
2. कुमारी श्वेता अरोड़ा
3. श्रीमती बबीता रानी
4. कुमारी मनप्रीत कौर ग्रोवर
5. श्री मनीष अग्रवाल
6. श्री विकास अरोडा
7. श्री अरविंद

निम्नलिखित को अनुभाग अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त किया गया:–

श्री मुकुल कुमार मिश्रा

श्री सूर्यकान्त दास

Welcome

1. Sh. S.P. Rana joined the Board as Joint Secretary (A&L) on absorption basis.
2. Sh. Mahesh Mulani joined the Board as Deputy Financial Advisor on deputation.
3. Neha Sharma has been appointed as Deputy Director (Exams. Reformes and Trg.) through Direct Recruitment.
4. Sh. Gulshan Sharma has joined the Board as Account Officer on deputation.
5. Km. Sharmila Devi has been appointed as Manager (Language) through Direct Recruitment.
6. Dr. Sneha Singh has been appointed as Section Officer (SGAI) through Direct Recruitment.
7. Sh. Biswajeet Saha has joined the Board as Assistant Vigilance Officer on deputation.

The following persons were appointed as Assistant Secretary in the Board through Direct Recruitment:-

1. Sh. Thongkholet Mate
2. Km. Shvetta Arora
3. Smt. Babita Rani
4. Km. Manpreet Kaur Grover
5. Sh. Manish Agarwal
6. Sh. Vikas Arora
7. Sh. Arvind

The following persons were appointed as Section Officers in the CBSE on deputation:-

Sh. Mukul Kumar Mishra

Sh. Suryakant Das

श्री जयंत कुमार रथ
श्री अरविंद कुमार मिश्रा

अतिरिक्त दायित्व

1. श्री एस.पी राणा सयुंक्त सचिव को भर्ती शाखा प्रशासन 1 प्रशासन 2 प्रशासन 3 रख–रखाव सुरक्षा एंव कानूनी शाखा के अतिरिक्त मुख्य सर्तकता अधिकारी (सी.एं.ओ.) का कार्यभार सौंपा गया ।

2. श्रीमती रमा शर्मा जन सम्पर्क अधिकारी को राष्ट्रीय किशोर शिक्षा कार्यक्रम ए.ई.पी. का अतिरिक्त कार्य सौंपा गया ।

विदाई

1. निम्नलिखित अधिकारियों जो सीबीएसई में प्रतिनियुक्ति पर काम कर रहे थे, उनके मूल विभाग के लिए प्रत्यावर्तित किया गया:

श्रीमती रूचिका भगत

श्री सतविन्दर कुमार सचदेवा

श्री सुभेन्दु मोती लाल

श्रीमती गीता शिगंले

2. निम्नलिखित अधिकारियों अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने पर बोर्ड की सेवाओं से सेवानिवृत्त हुए :

श्री एन.नागाराजू	निदेशक
श्री कुलदीप कुमार जैन	उप सचिव
श्री राकेश कुमार चावला	सहायक सचिव
श्री अश्वीनी कुमार	सहायक सचिव
श्रीमती लक्ष्मी आहुजा	सहायक सचिव
श्री अशोक शर्मा	सहायक सचिव
श्री कर्ण सिंह सैनी	सहायक सचिव
श्री शशी भूशण बलूजा	सहायक सचिव
श्रीमती शशी बाला शर्मा	सहायक सचिव
श्रीमती चन्द्र प्रभा	अनुभाग अधिकारी
श्री आर. के बाटला	अनुभाग अधिकारी
श्री आसे राम शर्मा	अनुभाग अधिकारी
श्रीमती राजवन्ती गेरा	अनुभाग अधिकारी
श्रीमती सुदर्शन छाबडा	अनुभाग अधिकारी
श्री हरवंस सिंह	अनुभाग अधिकारी
श्री धनी राम शर्मा	कनिष्ठ लेखा अधिकारी

Sh. Jayant Kumar Rath
Sh. Arvind Kumar Mishra

Additional Assignment

1. Sh. S.P. Rana, Joint Secretary has been assigned the duties of Chief Vigilance Officer (CVO) in addition to Rectt. Cell, Admn. I , II & III, Maintenance, Security & Legal Cell.

2. Smt. Rama Sharma, Public Relations Officer has been assigned the duties of Adolesence Education Programme (AEP)

Farewell

1. The following officers who were working in the CBSE on deputation have been repatriated to their parent department :-

Smt.Ruchika Bhagat

Sh. Satvinder Kumar Sachdeva

Sh. Subhendu Motilal

Smt.Gita Shyngle

2. The following officers of the Board have retired from the services of the Board on attaining the age of superannuation:-

Sh. N. Nagaraju	Director
Sh. Kuldeep Kumar Jain	Deputy Secretary
Sh. Rakesh Kumar Chawla	Assistant Secretary
Sh. Ashwani Kumar	Assistant Secretary
Smt. Lakshmi Ahuja	Assistant Secretary
Sh. Ashok Sharma	Assistant Secretary
Sh. Karan Singh Saini	Assistant Secretary
Sh. ShashiBhushan Baluja	Assistant Secretary
Smt. ShashiBala Sharma	Assistant Secretary
Smt. ChanderPrabha	Section Officer
Sh. R.K Bhatla	Section Officer
Sh. Ase Ram Sharma	Section Officer
Smt. Rajwanti Gera	Section Officer
Smt. Sudershan Chhabra	Section Officer
Sh. Harbans Singh	Section Officer
Sh. Dhani Ram Sharma	J.A.O.

श्री अरविंद कुमार	अधीक्षक
श्री भूप सिंह	अधीक्षक
श्री प्रेम सिंह	अधीक्षक
श्री के. सी. राणा	स्टाफ कार चालक

निम्नलिखित अधिकारी बोर्ड से स्वैच्छिक सेवानिवृत्त हुए :

श्रीमती शकुन्तला देवी	सहायक सचिक
श्री अरविन्द दत्त शर्मा	सहायक
श्री सुरेश कुमार	सहायक

पदोन्नति

निम्नलिखित अधिकारियो को उच्च ग्रेड के लिए प्रोत्साहित किया गया:

क्षेत्रीय निदेशक
श्री एम.वी.वी प्रसादाराव

निदेशक (विविध परीक्षा)
श्री पी. आई साबू

संयुक्त सचिव
श्री जोसफ इमैनुअल
डा. संयंम भारद्वाज

संयुक्त सचिव (आई टी)
श्रीमती आई .एम. कैथरीन

अधीक्षक अभियन्ता
श्री एस.के शर्मा

उप सचिव (आई टी)
श्री के. के. खंडेलवाल

उप निदेशक (खेल–कूद)
श्री पुष्कर वोहरा

सहायक अभियन्ता (सिविल)
श्री वी. पट्टाभी रमन

सहायक अभियन्ता (ईलैक्ट्रीकल)
श्री राधा कृष्ण

निम्नलिखित अधिकारियों को सहायक सचिव के लिए प्रोत्साहित किया गया :

श्रीमती राज कपूर
श्री विजय सिंह
श्री तरूण कुमार
श्री वी.के घई

Sh. Arbind Kumar	Superintendent
Sh. Bhoop Singh	Superintendent
Sh. Prem Singh	Superintendent
Sh. K.C Rana	Staff Car Driver

The following officer/officials opted for Voluntary Retirement from the services of the Board:-

Smt. Shakuntla Devi	Assistant Secretary
Sh. ArvindDutt Sharma	Assistant
Sh. Suresh Kumar	Assistant

Promotions

The following officers of the Board were promoted to the higher grades:-

Regional Director
Sh. M.V.V. Prasada Rao

Director (Misc. Exams.)
Sh. P. I. Sabu

Joint Secretary
Sh. Joseph Emmanuel
Dr. Sanyam Bhardwaj

Joint Secretary (IT)
Smt. I.M. Catherine

Superintending Engineer
Sh. S.K. Sharma

Deputy Secretary (IT)
Sh. K.K. Khandelwal

Deputy Director (Sports)
Sh. Pushkar Vohra

Assistant Engineer (Civil)
Sh. V. Pattabhi Raman

Assistant Engineer (Electrical)
Sh. Radha Krishan

The following officers of the Board were promoted as Assistant Secretary:-

Smt. Raj Kapoor
Sh. Vijay Singh
Shri Tarun Kumar
Shri V. K. Ghai

श्री आर. वेंकटेश
श्रीमती पूनम कश्यप
श्री श्याम कपूर
श्री वी.के बब्बर
श्रीमती सुनीता रानी
श्री अनिल कपूर
श्रीमती पूनम सचदेवा
श्रीमती मीनू जोशी

Shri R. Venkatesh
Smt. PunamKashyap
Shri ShyamKapoor
Shri V.K. Babbar
Smt. Sunita Rani
Shri Anil Kapoor
Smt. Poonam chdeva
Smt. Meenu Joshi

निम्नलिखित अधिकारियों को अनुभाग अधिकारी के लिए प्रोत्साहित किया गया :

श्री सोमनाथ
श्रीमती बिमला
श्रीमती मंजू चांदीरमानी
श्रीमती मंजू रानी
श्रीमती रानी हींगोरानी
श्री बदरी दत्त
श्री नरेश कुमार गुलाटी
श्री ओ.पी.जोशी
श्री खेमचंद
श्री रमेश कुमार

The following officials of the Board were promoted as Section Officer:-

Sh. SomNath
Smt. Bimla
Smt. Manju Chandiramani
Smt. Manju Rani
Smt. Rani Hingorani
Sh. BadriDutt
Sh. Naresh Kumar Gulati
Sh. O.P. Joshi
Sh. Khem Chand
Sh. Ramesh Kumar

निम्नलिखित अधिकारी को निजी सचिव लिए प्रोत्साहित किया गया :

श्रीमती सीमा नागपाल
श्री संजीव कुमार सैनी
श्रीमती मिनी
श्रीमती मधु पंत
श्रीमती ममता खन्ना
श्रीमती रेनु सेट्ठी
श्री आर के अग्रवाल
श्रीमती रितु हर्ष
कुमारी सुनिता कौंडल
श्री सुखदयाल सिंह
श्रीमती अंजु बत्रा

The following officials of the Board were promoted as Private Secretary:-

Smt. Seema Nagpal
Sh. Sanjeev Kr. Sahni
Smt. Minni
Smt. Madhu Pant
Smt. Mamta Khanna
Smt. Renu Sethi
Sh. R. K. Aggarwal
Smt. Ritu Harsh
Km. Sunita Kaundal
Sh. Sukh Dayal Singh
Smt. Anju Batra

FAREWELL

FAREWELL

राजभाषा का प्रचार–प्रसार
PROPAGATION OF OFFICIAL LANGUAGE

संघ सरकार की राजभाषा नीति, अधिनियम व नियमों को लागू करने तथा कार्यालयों में हिंदी में कार्य करने के लिए गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा समय–समय पर जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहयोग करने के लिए केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में हिंदी प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है ।

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के तहत आने वाले सभी कार्यालयीन दस्तावेजों का हिंदी अनुवाद कार्य हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा किया जाता है । राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठकों का आयोजन करने के अलावा विभिन्न प्रोत्साहन योजनाएं भी लागू की गई है ।

वार्षिक प्रोत्साहन योजना

सरकारी काम काज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए अधिकारियों तथा कर्मचारियों के लिए बोर्ड में वार्षिक प्रोत्साहन योजना लागू है । योजना की अवधि 1 अप्रैल 2012 से 31 मार्च 2013 है। इस योजना के तहत अपना सरकारी काम हिंदी में करने के लिए 10 अधिकारियों/कर्मचारियों को नकद पुरस्कार प्रदान करने का प्रावधान है ।

हिंदी प्रोत्साहन भत्ता योजना

अंग्रेजी के अतिरिक्त हिंदी में सरकारी कार्य करने के लिए कनिष्ठ सहायकों को "हिंदी प्रोत्साहन भत्ता" देने की योजना लागू की गई है । इस योजना के अधीन एक निर्धारित मात्रा में सरकारी कार्य हिंदी में करने के लिए अंग्रेजी टाइपिस्टों को रूपये 80/– प्रति माह की दर से विशेष प्रोत्साहन भत्ता प्रदान किया जाता है ।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

बोर्ड मुख्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है जिसकी अध्यक्षता सचिव, सीबीएसई द्वारा

Hindi Cell has been established in CBSE to assist in the implementation of the Official Language Policy of the Union Government, Act, Rules and to achieve the targets prescribed in annual programme issued from time to time by MHA, Department of official language for transacting the official work in Hindi.

All official documents contained under section 3(3) of the Official Language Act 1963 are translated from English to Hindi by Hindi Cell. Besides, organizing quarterly official Language Committee meeting, various incentive schemes have also been implemented in the Board.

Annual Incentive Scheme

In order to propagate the use of Hindi, an annual incentive scheme has been implemented in the Board for officers/personnel. Duration of the scheme is from 1st April 2012 to 31st March 2013. There is a provision to award cash reward to 10 officers/personnel under this scheme.

Hindi Incentive Allowance Scheme

A Scheme of granting "Hindi Incentive Allowance" to Junior Assistant for doing official work in Hindi in addition to English has been implemented in the Board. Under this scheme a special incentive allowance of Rs. 80/- is allowed to English typist for doing prescribed quantum of official work in Hindi also.

Official Language implementation Committee

The Official Language implementation Committee headed by the Secretary CBSE has

की जाती है । राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक का आयोजन प्रत्येक तिमाही में किया जाता है । तिमाही बैठकों में मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा राजभाषा विभाग के क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाता है । समिति के सदस्यों की सूची परिशिष्ट–XIII पर दी गई है ।

हिंदी टंकण प्रशिक्षण

हिंदी टंकण का ज्ञान न रखने वाले कनिष्ठ सहायक स्तर के कर्मचारियों के लिए बोर्ड मुख्यालय में तीन माह की अवधि का हिंदी टंकण प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में 09 कनिष्ठ सहायकों को हिंदी टंकण में प्रशिक्षण दिया गया ।

हिंदी दिवस तथा हिंदी पखवाड़ा का आयोजन

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अनुसार बोर्ड मुख्यालय में हिंदी दिवस के अवसर पर 01 सितम्बर, 2012 से 15 सितम्बर, 2012 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया । हिंदी पखवाड़े के दौरान बोर्ड के अधिकारियों तथा कर्मचारियों के लिए हिंदी टिप्पण व प्रारूपण, हिंदी निबंध, हिंदी टंकण, हिंदी कविता पाठ, भाषण तथा सुलेख एवं श्रुतलेख आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विजेता प्रतियोगिताओं को नकद पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया ।

हिंदी कार्यशाला

हिंदी में काम काज करने वाले अधिकारियों / कर्मचारियों के कार्यसाधक ज्ञान का अद्यतन करने के लिए तीन हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, इन कार्यशालाओं में कुल 73 अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए ।

अनुवाद कार्य

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के तहत आने वाले दस्तावेजों के अलावा अन्य सामग्री का अनुवाद कार्य रिपोर्ट की अवधि के दौरान किया गया ।

been set up in the Board HQ. Meeting of official Language Committee is organized quarterly. Representatives of MHRD and Regional Implementation office of official Language department are also invited in quarterly meetings. List of the members of the official Language implementation Committee is given at Appendix – XIII.

Hindi Typing Training

The Hindi Typing Training was imparted to Junior Assistant level officials for the period of three months. 09 Junior Assistants have been trained in Hindi Typing so far.

Celebration of Hindi Day and Hindi Fortnight

Under the guidelines issued by MHA, Department of official language and MHRD, the Board has celebrated Hindi Fortnight from 01st September 2012 to 15th September 2012, on the occasion of Hindi Day. Under this programme, various Hindi Competitions such as noting/drafting, essay writing, typing, recitation, debate and Hindi handwriting/dictation were conducted for the officers/officials of the Board. Cash rewards and commendation certificates were also awarded to the winners of these competitions.

Hindi Workshop

Three Hindi Workshops were organized to update working knowledge of the officers/officials in Hindi, in which 73 officers/officials participated.

Translation Work

Apart from the documents contained in Section 3(3) of the Official Language Act 1963, other documents were also translated during the period under report.